GUEST WRITER राजस्थान पत्रिका, रविवार 20.10.2019

आधुनिक उर्दू कविता के प्रणेता -मीराजी

मीराजी –नाम सुनते ही लगता है कि यह मेड़ता की कवयित्री मीरा का नाम होगा –लेकिन ऐसा है नहीं। यह तो आधुनिक उर्दू कविता के प्रणेता मुहम्मद सनाउल्लाह सानी डार का उपनाम है, जिनका मानना था कि वे आर्य नस्ल के हैं। मीरा सेन नाम की लड़की के इकतरफा प्रेम में अपना नाम ही मीराजी रख लेने वाले इस अनोखे कवि का जन्म 24 मई 1912 को लाहौर में हुआ।

उन्होंने पूर्वी और पाश्चात्य कवियों और लेखकों की रचनाओं के अनुवाद और व्याख्या की, जिनमें बोदलेयर,चंडीदास, विद्यापति आदि के नाम प्रमुख हैं। उन्होंने गजलें, नज्म, गीत आदि विधाओं में रचनाएं लिखीं। नज्मों के ड्राफ्ट में उन्होंने अलग प्रयोग किए, जिसकी एक मिसाल जातरी नज्म है। अन्य प्रमुख नज्में, समंदर का बुलावा ,यगानिगत, रस की अनोखी लहरें,सहारा

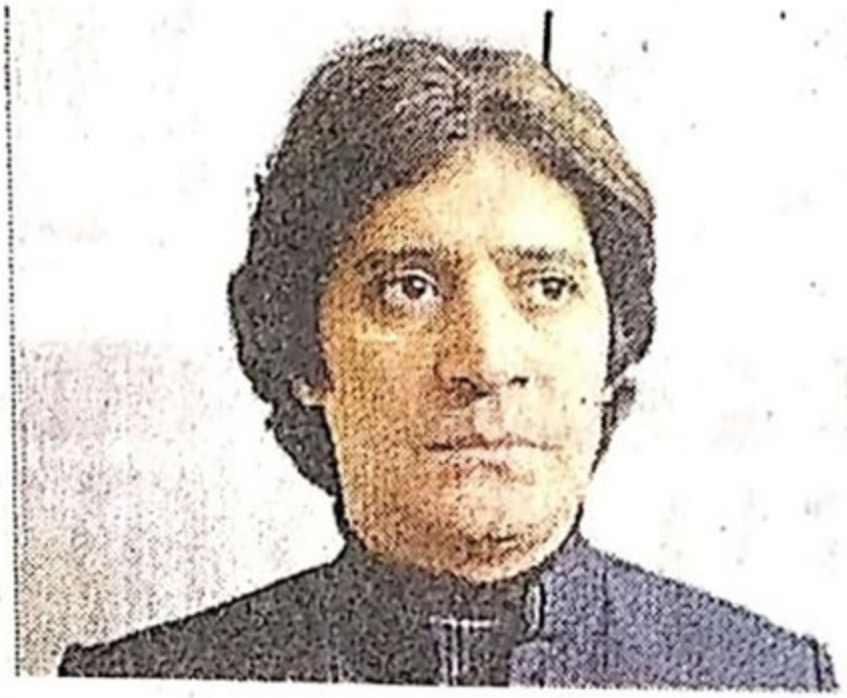

ब्रजेश अम्बर

आदि हैं। जिस तरह हिन्दी में अज्ञेय, मुक्तिबोध और शमशेर की त्रयी है, उसी तरह उर्दू में मीराजी ,नून मीम राशिद और अख़्तरुल ईमान की त्रयी है। नून मीम राशिद ने तो उन्हें 'अदबी गांधी' तक कहा था। 3 नवंबर 1949 को मुंबई के एक अस्पताल में सिर्फ 37 साल की उम्र में उनकी मौत हो गई और उर्दू अदब ने आधुनिक कविता के प्रणेता को हमेशा के लिए खो दिया।

जोधपुर एक्सप्रेस न्यूज़, 20.10.2019

साहित्य अकादमी की दो दिवसीय सेमिनार शुरू

जोधपुर एक्सप्रेस न्यूज

जोधपुर। साहित्य अकादमी नई दिल्ली तथा राजस्थान उर्दू अकादमी जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को होटल घूमर के बैंकेट हॉल में उर्दू के प्रसिद्ध शायर मीराजी तथा महात्मा गांधी पर दो दिवसीय सेमिनार शुरू हुआ। सेमिनार का पहला दिन उर्दू कवि मीराजी को समर्पित रहा।

राजस्थान उर्दू अकादमी के सचिव मोअज्जम अली ने बताया कि शनिवार को प्रथम दिन आधुनिक उर्दू कवि मीराजी पर मीराजी की अस्त्री मानवीयत: मौजूदा दौर में विषयक अखिल भारतीय सेमिनार हुआ जिसमें साहित्य अकादमी दिल्ली में उर्दू के कन्वीनर शीन काफ निजाम ने अध्यक्षता की तथा अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जर्नलिज़्म व मास कम्युनिकेशन के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शाफे क़िदवाई मुख्य अतिथि थे। इस दौरान हक़्क़ानी अल क़ासमी, अबूबकर अब्बाद, आदिल रज़ा मन्सूरी, मुहम्मद हुसैन, शाहिद पठान और अलाउद्दीन ख़ान ने पत्र वाचन किया।

सेमिनार के दूसरे दिन रविवार को महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में महात्मा गांधी और उर्दू विषयक सेमिनार होगा जिसमें डॉ. नन्दकिशोर आचार्य बीज भाषण देंगे तथा अध्यक्षता शीन काफ निजाम करेंगे। स्वागत भाषण साहित्य अकादमी के अजय कुमार शर्मा देंगे। सेमिनार में शमीम तारिक, अख्तर उल वासे, आफताब अहमद आफाकी, नसीम अहमद नसीम, कमर सिद्धीकी, अली अहमद फातमी, अबू जहीर रब्बानी और शम्शाद अली पत्र वाचन करेंगे।

मरू तिकोन
20.10.2019

साहित्य अकादमी की दो दिवसीय सेमिनार शुरू

जोधपुर। साहित्य अकादमी नई दिल्ली तथा राजस्थान उर्दू अकादमी जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को होटल घूमर के बैंकेट हॉल में उर्दू के प्रसिद्ध शायर मीराजी तथा महात्मा गांधी पर दो दिवसीय सेमिनार शुरू हुआ। सेमिनार का पहला दिन उर्दू कवि मीराजी को समर्पित रहा। राजस्थान उर्दू अकादमी के सचिव मोअज्जम अली ने बताया कि शनिवार को प्रथम दिन आधुनिक उर्दू कवि मीराजी पर मीराजी की असी मानवीयतः मौजूदा दौर में विषयक अखिल भारतीय सेमिनार हुआ जिसमें साहित्य अकादमी दिल्ली में उर्दू के कन्वीनर शीन काफ निजाम ने अध्यक्षता की तथा अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जर्नलिज्म व मास कम्युनिकेशन के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शाफे किदवाई मुख्य अतिथि थे। इस दौरान हक़्क़ानी अल क़ासमी, अबूबकर अब्बाद, आदिल रज़ा मन्सूरी, मुहम्मद हुसैन, शाहिद पठान और अलताफ़ीन खान ने पत्र वाचन किया।

सेमिनार के दूसरे दिन रविवार को महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में महात्मा गांधी और उर्दू विषयक सेमिनार होगा जिसमें डॉ. नन्दकिशोर आचार्य बीज भाषण देंगे तथा अध्यक्षता शीन काफ निजाम करेंगे। स्वागत भाषण साहित्य अकादमी के अजय कुमार शर्मा देंगे।

दैनिक भास्कर, 20.10.2019

मीराजी प्रसिद्ध तो हुए लेकिन स्वीकार नहीं किए गए : निजाम

साहित्य अकादमी दिल्ली और राजस्थान उर्दू अकादमी जयपुर की साझा मेजबानी में 'मीराजी' पर सेमिनार आयोजित, 'आज गांधीजी' पर होगी

सिटी भास्कर . जोधपुर

मीराजी उर्दू शायरी में मारूफ (प्रसिद्ध) तो हुए लेकिन स्वीकारे (मकबूल) नहीं गए। ये विचार प्रसिद्ध शाइर शीन काफ निजाम ने शनिवार को घूमर होटल के बैंक्वट हॉल में साहित्य अकादमी दिल्ली और राजस्थान उर्दू अकादमी जयपुर की साझा मेजबानी में मीराजी पर आयोजित सेमिनार में व्यक्त किए। बतौर अध्यक्ष उन्होंने कहा कि हिंदुस्तानी जुबान के शाइर मीराजी की शाइरी का ताअल्लुक आर्यों से जाकर मिलता है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जर्नलिज्म व मास कम्युनिकेशन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शाफे किदवई ने मुख्य अतिथि के तौर पर कहा कि मीराजी की शाइरी अंतर्विरोधी भावों को प्रकाशित करने वाली है। उन्होंने उमर ख़य्याम की नज़्मों का तर्जुमा भी किया है। उद्घाटन सत्र में स्वागत उद्बोधन साहित्य अकादमी के सह संपादक अजय कुमार शर्मा ने दिया। संचालन शीन मीम हनीफ ने किया।

इन्होंने भी विचार व्यक्त किए : राजस्थान उर्दू अकादमी के सचिव मोअज्जम अली, अनीस अशफाक़, आदिल रज़ा मंसूरी, अबूबकर इब्बाद, हक्कानी उल क़ासमी, इशराकुल इस्लाम माहिर, मौलाबक्श, शाहिद पठान, अलाउद्दीन ख़ान, मुहम्मद हुसैन, डॉ. निसार राही ने भी विचार व्यक्त किए। रविवार को 'महात्मा गांधी और उर्दू' विषय पर सेमिनार होगा।

हुक्मनामा समाचार
20.10.2019

साहित्य अकादमी का दो दिवसीय सेमिनार आज से

प्रथम दिवस उर्दू कवि मीराजी को समर्पित रहेगा

जोधपुर। साहित्य अकादमी दिल्ली में उर्दू के कन्वीनर शाइर चिन्तक और आलोचक शीन काफ़ निज़ाम अध्यक्षता में आयोजित होने वाले दो दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जर्नलिज्म व मास कम्यूनिकेशन के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शाफे क़िदवाई मुख्य अतिथि होंगे इसके पश्चात् आधुनिक उर्दू कवि मीराजी पर ''मीराजी की अस्री मानवीयत- मौजूदा दौर मे'' विषयक दो सत्र में हक़्क़ानी अल क़ासमी, अबूबकर अब्बाद, आदिल रज़ा मन्सूरी, मुहम्मद हुसैन, शाहिद पठान और अलाउद्दीन ख़ान पत्रवाचन करेंगे। राजस्थान उर्दू अकादमी के सचिव मोअज्जम अली ने बताया कि होटल घूमर के बैंकेट हॉल में आयोजित सेमिनार में अनीस अशफाक़ व मौला बख़्श सत्र की अध्यक्षता करेंगे।

जोधपुर सिटी
दैनिक नवज्योति
जोधपुर, रविवार
20. 10. 2019

मीराजी मारुफ तो हुए लेकिन मकबूल नहीं: शीन काफ निजाम

साहित्य और उर्दू अकादमी का दो दिवसीय मीराजी-गांधी सेमिनार शुरु

नवज्योति/जोधपुर।

हिन्दुस्तानी ज़बान का शाइर मीराजी की शाइरी का ताअल्लुक़ आर्यों से जाकर मिलता हैं। जो कि जिन्स की जदलियात पर आधारित है जो संकल्प को प्राथमिकता देती है। इस दौर में मीराजी उर्दू शाइरी के साथ मारूफ यानी लोकप्रिय तो हुए लेकिन मक़बूल मतलब स्वीकार्य नहीं।

यह उद्गार साहित्य अकादमी दिल्ली में उर्दू के कन्वीनर अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातनाम शाइर चिन्तक और आलोचक शीन काफ़निज़ाम ने घूमर के बैंकट हॉल में आयोजित दो दिवसीय मीराजी और गांधी पर साहित्य अकादमी दिल्ली और राजस्थान उर्दू अकादमी जयपुर की साझा मेज़बानी में आयोजित उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जर्नलिज़्म व मॉस कम्यूनिकेशन के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शाफे क़िदवाई ने मुख्य अतिथि के तौर पर अपने उद्बोधन में कहा, मीराजी की शाइरी अन्तर्विरोधी क्षणों को प्रकाशित करने वाली हैं, इन्होने उमर खय्याम की नज़्मों का तर्जुमा भी किया है। स्वागत उदबोधन साहित्य अकादमी के सह संपादक अजय कुमार शर्मा ने दिया तथा संचालन शाइर शीन मीम हनीफ ने किया।

राजस्थान उर्दू अकादमी के सचिव मोअज्जम अली ने बताया, प्रथम सत्र में मीराजी की अस्त्री मानवीयता मौजूदा दौर में विषय पर सत्र के अध्यक्ष अनीस अशफाक़ ने अहसास और तर्जुमे की तर्जुमानी करते हुए बताया कि शाइरी को समझने के लिये शख्सियत से बुनियाद नही बनाना चाहिए। पत्रवाचन में त्रैमासिक पत्रिका इस्तिफ्सार के सह संपादक आदिल रज़ा मन्सूरी ने कहा, कि पाठक को कविता में रहते हुए ही अपना सच तलाश करना होता है। अयूबकर इब्बाद ने बताया, कि मीराजी की शाइरी जितनी सतह पर दिखती है उससे कई ज्यादा नीचे की तहों में मौजूद है। हक्कानी उल क़ासमी ने इनकी शाइरी में इज्तिमाइयत का ज़िक्र किया। सत्र का संचालन इश्राकुल इस्लाम माहिर ने किया। वहीं पोस्ट लंच सेशन में अध्यक्ष मौलाबक्श ने मीराजी की शाइरी में विष्णु दर्शन, शास्य दर्शन और चार्वाक की याद दिलाने वाला बताया।

पत्रवाचन में शाहिद पठान ने मग़रिबी.मश्रिकी मुल्की.ग़ैर मुल्की के तन्क़ीदी हवाले पेश किए। अलाउद्दीन ख़ान ने कहा, कि मीराजी के गीत फ़िक्र की दावत देते हैं तथा मुहम्मद हुसैन ने इनकी शाइरी में जिन्स की विषयपरक जज़्बात का हवाला दिया। सत्र का संचालन डॉ. निसार राही ने किया। रविवार को सेमिनार के दूसरे दिन महात्मा गांधी और उर्दू विषय पर पत्रवाचन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न होगा।

राजस्थान पत्रिका, रविवार 20.10.2019

मीराजी पर अखिल भारतीय सेमिनार

'रूहानी नज्मों का डिस्पोज थी मीराजी की शायरी'

मीराजी हिन्दुस्तानी तहज़ीब के शाइर : निज़ाम

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जोधपुर ◆ मीराजी हिन्दुस्तानी तहजीब के शाइर हैं, वे जिन्स की जबलियात के शाइर हैं। मीराजी मारूफ तो हुए, मकबूल नहीं हुए। यह बात अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शाइर व आलोचक शीन काफ निज़ाम ने कही। वे साहित्य अकादमी नई दिल्ली और राजस्थान उर्दू अकादमी जयपुर की साझा मेजवानी में शनिवार को होटल घूमर में आयोजित आधुनिक उर्दू शाइर मीराजी पर 'मीराजी की अस्ली मानवीयता मौजूदा दौर में' विषयक अखिल भारतीय सेमिनार के उदघाटन सत्र में अध्यक्षीय उदबोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा, मीराजी कहते थे कि मेरी नज्में उनके लिए हैं, जो नज्में समझना चाहते हैं। आप जब किताब पढ़ रहे होते हैं तो किताब आपको पढ़ रही होती हैं, क्योंकि फन हमारी जिबल्ली जरूरत है।

प्रख्यात आलोचक शाफ़े क़िदवई ने बीज वक्तव्य में कहा कि मीराजी उस तरह नजर नहीं आते, जैसे नून मीम राशिद थे, उनकी शाइरी रूहानी नज्मों का डिस्पोज था। मीराजी ने स्पीच एक्ट और कनवर्सेशन एक्ट से स्ट्रक्चर किया है। समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए आलोचक मौलाबख्श ने कहा कि मीराजी की सियासत आज की सियासत नहीं है। वे भारतीय संस्कृति के शाइर हैं। मीराजी ने पुरुष और प्रकृति के रिश्ते बताए हैं। इस सत्र में मोहम्मद हुसैन, शाहिद पठान और अलाउद्दीन खां ने पत्रवाचन किए। पहले सत्र की अध्यक्षता अनीस अशफाक ने की। इस सत्र में हक्कानी अल कासमी, आदिल रजा मन्सूरी और अबू बक्र इबाद ने पत्रवाचन किए। साहित्य अकादमी में सहायक संपादक अजयकुमार शर्मा ने स्वागत किया। आख़िर में राजस्थान उर्दू अकादमी के अध्यक्ष मोअज्जम अली ने शुक्रिया अदा किया। संचालन शीन मीम हनीफ़, निसार राही और इश्राकुल इस्लाम माहिर ने किया।

मीराजी कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि

आज महात्मा गांधी और उर्दू सेमिनार

रविवार सुबह 10.30 बजे से महात्मा गांधी की 150 वी जयंती के उपलक्ष्य में 'महात्मा गांधी और उर्दू' विषयक सेमिनार होगा, जिसमें डॉ. नन्दकिशोर आचार्य बीज भाषण देंगे और शीन काफ निजाम अध्यक्षता करेंगे। पहले सत्र में शमीम तारिक अध्यक्षता करेंगे और आफताब अहमद आफाकी, नसीम अहमद नसीम और कमर सिद्दीकी पत्रवाचन करेंगे। जबकि दूसरे सत्र में अख्तरुल वासे अध्यक्षता करेंगे। अबू जहीर रब्बानी और शमशाद अली परचे पढ़ेंगे।